बैठक - प्रतिवेदन

दिनांक 16.9.2017 को अपरान्ह 1.00 बजे सेमिनार हाल मे महाविद्यालय विकास समिति की साधारण सभा आयोजित की गई। जिसमें निम्नलिखित सदस्यों को आमंत्रित किया गया।

अध्यक्ष - डॉ श्रीमती रीटा गुलाटी
सचिव - श्रीमती प्रेमजीत कौर सूरी
कोषाध्यक्ष - डॉ श्रीमती स्मृति जौहरी
कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय प्रतिनिधि - डॉ दिनेश तिवारी

बाह्य सदस्य -

श्री ओम कृष्ण बिरला (सांसद)
श्री प्रहलाद गुंजल (विधायक)
श्री महेश विजय (महापौर)
श्री सुरेन्द्र गोचर (जिला प्रमुख)
श्री प्रमोद सिंघवी (सहा॰ कलक्टर मुख्यालय)
श्री राजकुमार मेहता (चेयरमेन, U.I.T)
श्रीमती संध्या गुप्ता (शिक्षाविद्)
डॉ॰ उमा शर्मा (शिक्षाविद्)
श्रीमती कुमकुम जेटली
श्रीमती स्वाति गुप्ता
सुश्री नीतू सिंह
श्री धर्मेन्द्र कुमार अरोड़ा (अभिभावक)
श्रीमती सुमन शर्मा (अभिभावक)

आन्तरिक विकास समिति -

श्रीमती मधु खन्ना
डॉ॰ लक्ष्मी माल
डॉ॰ प्रतिमा श्रीवास्तव/शुचिता जैन
डॉ॰ फातिमा सुल्ताना
डॉ॰ मनीषा शर्मा
डा॰ पूनम जायसवाल
श्री॰ नाथूलाल जी (अति॰ कार्यभार सहा॰ लेखा॰)
श्री॰ विनोद कुमार सक्सेना (स्टोर कीपर)
श्री॰ ओम प्रकाश गुप्ता (कैशियर)
सुश्री मानसी राठौड़ (छात्र संघ अध्यक्ष 2017-18)

बैठक की कार्यवाही इस प्रकार रही -

बिन्दु सं. 1. सर्वप्रथम सचिव द्वारा सभी सदस्यों का पुष्प गुच्छ द्वारा स्वागत किया गया। गत बैठक के पश्चात विधान के अनुसार वर्तमान प्राचार्य डा॰ श्रीमती रीटा गुलाटी जी (महाविद्यालय विकास समिति अध्यक्ष) ने वर्तमान उपाचार्य डा॰ श्रीमती उमा शर्मा के सेवानिवृत्त होने उपरान्त श्रीमती प्रेमजीत कौर सूरी (व्या॰ भौतिकशास्त्र) को सचिव पद पर तथा डा॰ श्रीमती स्मृति जौहरी (व्या॰ प्राणीशास्त्र) को कोषाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया जिसका समिति के सभी सदस्यों द्वारा अनुमोदन किया गया। अध्यक्ष महोदय द्वारा नए सदस्यों का स्वागत किया गया।

बिन्दु सं: 2. गत बैठक का प्रतिवेदन सचिव द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसका अनुमोदन अध्यक्ष द्वारा किया गया।

बिन्दु सं: 3. अति॰ कार्यभार सहा॰ लेखाकार श्री॰ नाथूलाल जी ने विकास समिति की सत्र 2016-17 की ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत कर बताया कि वर्तमान में विकास समिति कोष में लगभग 26,35,405.36/- रुपये की राशि शेष है। (बैंक कैशबुक के आधार पर दि: 31.3.2017 तक)

बिन्दु सं. 4: परीक्षा समय में दूर क्षेत्रों से आई हुई छात्राओं व उनके अभिभावकों की असुविधा को देखते हुए महाविद्यालय मुख्य द्वार के निकट स्थित मंदिर

परिसर के सामने छाया करने हेतु टीन शेड व बैंच लगवाने के प्रस्ताव का सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया।

बिन्दु सं॰5: महाविद्यालय छात्रावास का सेप्टिक टैंक चौंक हो गया है एवं पूर्णतया भर गया है। अतः महाविद्यालय छात्रावास में रह रही छात्राओं की सुविधा व स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय विकास समिति के सभी सदस्यों ने नवीन सेप्टिक टैंक निर्माण करवाने का प्रस्ताव रखा जो कि सभी सदस्यों द्वारा अनुमोदन किया गया। सचिव ने कहा कि नगर निगम को स्मरण पत्र डालने के बाद भी सफाई व्यवस्था अभी तक नहीं करी गई है।

बिन्दु सं॰6: महाविद्यालय विकास समिति अध्यक्ष व प्राचार्य डॉ. श्रीमती रीटा गुलाटी जी ने मुख्य पोर्च में महाविद्यालय की सुंदरता व छात्राओं की सुरक्षा की दृष्टि से लकड़ी का दरवाज़ा बनवाने की आवश्यकता प्रकट करी जिसकी सभी सदस्यों ने अनुशंसा करी।

बिन्दु सं॰7: विकास समिति अध्यक्ष डा॰ श्रीमती रीटा गुलाटी जी ने बताया कि महाविद्यालय में स्वयंपाठी छात्राओं की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। गत सत्र में करीब बीस हज़ार स्वयंपाठी छात्राओं ने जा.दे.ब. कन्या महाविद्यालय से परिक्षा दी थी जिसका कि अतिरिक्त कार्यभार Faculty सदस्यों पर भी आ जाता है। अतः पिछली बैठक के एजण्डा अनुसार इसी सत्र (2017-18) से स्वयंपाठी छात्राओं से विकास समिति शुल्क 300/- रुपये प्रति छात्रा लिया जाना प्रस्तावित है।

विकास समिति सचिव श्रीमती प्रेमजीत सूरी ने बताया कि महाविद्यालय में छात्राओं को वितरित की जाने वाली डिग्री, टी.सी., अंकतालिकाऐं जो छात्राऐं निर्धारित समय पर लेने नहीं आती हैं उनसे महाविद्यालय विकास समिति मद में निम्न प्रकार से शुल्क अभिवृद्धि की जानी चाहिये —

क्र.स.	विवरण	पूर्व में निर्धारित राशि	संशोधित व अभिवृद्धि राशि
1.	डिग्री	50/- रु. नियमित छात्रा 100/- रु. स्वयंपाठी छात्रा	100/- रु. नियमित 150/- रु. स्वयंपाठी
2.	टी.सी. व सी.सी.	120/- रुपये	150/- रुपये
3.	अंकतालिका	निशुल्क उसी सत्र में	100/- रु. उस सत्र के पश्चात।

बिन्दु सं॰8: विकास समिति सचिव डॉ. सूरी ने यह भी बताया कि स्वयंपाठी छात्राओं की अंकतालिका, डिग्री, टी.सी. आदि का वितरण मूल महाविद्यालय से ही होता है जिसके कारण Faculty का कार्य बढ़ जाता है। अतः स्वयंपाठी छात्राओं से लिये गए शुल्क में से 500/- प्रतिमाह की राशि Faculty सदस्य को दी जानी प्रस्तावित है जिसका समिति के सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया।

बिन्दु सं॰9: विकास समिति सचिव ने नियमित छात्राओं से पूर्व में निर्धारित विकास समिति शुल्क राशि में अभिवृद्धि कर 500/- रु॰ प्रति छात्रा अगले सत्र (2018-2019) से लिये जाने का प्रस्ताव रखा जिसका सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया।

बिन्दु सं॰10: महाविद्यालय के वनस्पतिशास्त्र व रसायनशास्त्र विभाग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में छात्राओं के निर्बाध अध्यापन हेतु विकास समिति से विषय की आवश्यकता अनुसार संविदा पर विषय व्याख्याता,

प्रयोगशाला सहायक, प्रयोगशाला परिचारक रखने का प्रस्ताव दिया जिसका सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया।

बिन्दु सं. 11. विकास समिति अध्यक्ष ने छात्राओं व महाविद्यालय कर्मियों के उपयोग व सुविधा के लिये सुलभ कॉम्पलेक्स के शौचालयों की अविलम्ब मरम्मत की आवश्यकता बताई जिसकी की समिति के सभी सदस्यों ने अनुशंसा करी।

बिन्दु सं. 12. प्राचार्य जी ने छात्राओं की सुविधा के लिए महाविद्यालय परिसर में भामाशाह या शहर के प्रबुद्ध जन के सहयोग से परिसर में बैंच, वाटर कूलर व पंखों की आवश्यकता बताई। समिति के सभी सदस्यों ने इस संबंध में जरूरी प्रयास करने का अनुमोदन किया।

बिन्दु सं. 13: विकास समिति बैठक में आने वाले बाह्य सदस्यों के मानदेय राशि 500/- स्वीकार करने से निरंतर मना करने का प्रस्ताव करने पर सर्व सम्मति से उक्त राशि को जनरल इसी सत्र (2017-18) से निरस्त किया गया। इस राशि का उपयोग छात्राओं के हित व महाविद्यालय के विकास हेतु खर्च करने का प्रस्ताव समिति के सदस्यों द्वारा अनुमोदन किया गया।

बिन्दु सं. 14: छात्रसंघ अध्यक्ष सुश्री मानसी राठौड़ ने महाविद्यालय में जगह जगह Dustbins व छात्राओं की सूचना हेतु सूचना पट्ट लगवाने की आवश्यकता बताई। समिति सदस्यों ने इसकी अनुशंसा की।

बिन्दु सं. 15. U.I.T. चेयरमेन श्री रामकुमार मेहता जी द्वारा महाविद्यालय परिसर में UIT के माध्यम से लगी लाईटों का विधिपूर्वक उद्घाटन किया गया। समिति सदस्यों ने उनके सहयोग के लिए साधुवाद ज्ञापित किया।

अन्त में कोषाध्यक्ष डॉ. स्मृति जौहरी ने सभी सदस्यों को बैठक में उपस्थित होने व सहयोग प्रदान करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यों की आवश्यकता व प्राथमिकता को देखते हुए उपरोक्त कार्यवाही के अनुमोदन से पूर्व प्रस्तावों के क्रियान्वयन की सभी सदस्यों ने अनुमति प्रदान की।

स्मृति
कोषाध्यक्ष
(डा. स्मृति जौहरी)

प्रेमजीत कौर
सचिव
(श्रीमती प्रेमजीत कौर सूरी)

अनुमोदित
27/3/18